सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 261 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 30 अक्टूबर, 2025
मूल्य ₹ 3/-

स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, और मैं इसे लेकर रहूँगा।
–बाल गंगाधर तिलक

नबर वन बल्लेबाज बने रोहित... 7 | असम में अब बांग्लादेश के राष्ट्रगान... 3 | भाजपाइयों की सांमती सोच में... 2

परमाणू युद्ध में बदलता व्यापार का युद्ध...

खतरे में दुनिया, भारत ने बढ़ाई सर्तकता

» ट्रंप ने दी शिनपिंग के साथ मीटिंग से पहले एटमबम धमाके की धमकी

» रूस-चीन दोस्ती को तोड़ना चाहता है अमेरिका

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रात के सन्नाटे में ट्रूथ स्पेशल पर अमेरिकन प्रेसीडेंट डोनाल्ड ट्रंप की एक पोस्ट से पूरी दुनिया में तहलका मच गया है। ट्रंप ने एक लाइन में वो कह दिया है जो दशकों से दुनिया कहने से डरती रही है। ट्रंप ने बताया है कि मैंने परमाणु हथियारों की टेस्टिंग का आदेश दिया है। उनका यह बयान उस वक्त आया है जब ट्रंप दक्षिण कोरियाई बंदरगाह शहर बुसान में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात कर रहे हैं।

ट्रंप की इस पोस्ट ने विश्व स्तर पर हलचल मचा दी है। वाशिंगटन से लेकर वुहान तक और दिल्ली से टोक्यो तक खुफिया एजेंसियों की सासें थम गयी हैं। क्योंकि यह महज ट्वीट नहीं हैं। यह संकेत व्यापार युद्ध से शीतयुद्ध की शुरूआत का है। राष्ट्रपति ट्रंप ने लिखा है कि अमेरिका के पास दुनिया के सबसे ज्यादा परमाणु हथियार हैं और मैंने अपने पहले कार्यकाल में इनका नवीनीकरण किया था और अब समय आ गया है कि हम उनका परीक्षण भी करें।

एशिया में नयी हथियार दौड़

भारत के लिए ट्रंप की यह टेस्टिंग पालिसी दोनों तरह की चुनौती है। एक तरफ़ अमेरिका भारत का स्ट्रैटेजिक पार्टनर है तो दूसरी तरफ उसके इस कदम से वैश्विक निरस्त्रीकरण समझौते को सीधा झटका लगता है जिसका भारत नैतिक समर्थन करता रहा है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि अगर ट्रंप की टेस्टिंग शुरू होती है तो पाकिस्तान और चीन दोनों समान प्रतिक्रिया के तहत अपने हथियारों की क्षमता दिखाने की कोशिश करेंगे। और इसका मतलब होगा एशिया में नई हथियारों की दौड़।

क्यो दिया ऐसा आदेश

रूस और चीन ने हाल ही में एक साझा रक्षा समझौता किया है। इस रक्षा समझौते से वाशिंगटन की नींद उड़ चुकी है। समझौते के बाद ही ट्रंप ने आनन–फानन में शी जिनपिंग से मुलाकात का प्रोग्राम बनाया है। अमेरिकी प्रशासन के सूत्रों के मुताबिक ट्रंप के इस आदेश के तीन मकसद हैं। वह चीन को मनोवैज्ञानिक दबाव में डालना चाहते हैं। चीन बीते पांच सालों से अपने परमाणु शस्त्रागार को तीन गुना बढ़ा चुका है। अमेरिका ये संदेश देना चाहता है कि तुम्हारे हर कदम पर हम तीन कदम आगे हैं। प्रेसीडेंट ट्रंप ने खुद कहा है कि आज अमेरिका के पास भले ही दुनिया का सबसे ज्यादा न्यूक्लियर भंडार है लेकिन पांच साल में चीन अमेरिका को इसमें भी पछाड़ देगा। वह चीन को रोकना चाहते हैं। उनका दूसरा मकसद रूस को चेतावनी देना है और उसे बताना है कि रूस – चाइना दोनों के गठजोड़ का जवाब देने के लिए हम तैयार हैं। तीसरा और सबसे बड़ा उनका मकसद अमेरिका की आंतरिक राजनीति में ताक़त दिखाना माना जा रहा है। ट्रंप फिर से व्हाइट हाउस की दौड़ में हैं। उनके लिए ये परमाणू बयानबाज़ी अमेरिकी मतदाताओं में स्ट्रॉन्ग लीडर इमेज बनाने का तरीका है। ट्रूथ सोशल पर उनका यह पोस्ट रिपब्लिकन वोट बैंक में देशभक्ति की आग भड़काने के लिए काफी है।

क्या वकाई टेस्ट होगा

वाशिंगटन में पेंटागन चुप है लेकिन अमेरिकी मीडिया में लीक खबरें कह रही हैं कि नेवादा टेस्ट साइट पर कोल्ड-रन शुरू हो चुका है यानी मॉक ट्रायल बिना विस्फोट के। वहीं चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने लिखा है कि अमेरिका ने अगर टेस्ट किया तो चीन अपनी नई पीढ़ी की परमाणु मिसाइलें जारी करेगा। दुनिया एक बार फिर दो ध्रुवों में बंटती दिख रही है और भारत बीच में खड़ा वह शांत मध्यस्थ जो जानता है कि कोई भी गलती दुनिया के नक्शे को हमेशा के लिए बदल सकती है। क्योंकि अगर परमाणु परीक्षण का रीसेट बटन दबा तो यह केवल अमेरिका और चीन की भिड़ंत नहीं होगी बल्कि यह मानव सभ्यता की आत्मा पर वार होगा। भारत को अपनी परमाणु नीति, कूटनीति और ऊर्जा नीति तीनों को एक साथ अपडेट करना होगा। क्योंकि अगर महाशक्तियां अपने अतीत के विस्फोटों में लौट रही हैं तो दक्षिण एशिया को भविष्य के लिए तैयार रहना होगा।

भारत का एंगल- मौन तैयारी या रणनीतिक चुप्पी?

भारत ने अभी तक ताजा हलचल पर अपनी औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है लेकिन दक्षिण ब्लाक में हलचल बढ़ चुकी है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने तात्कालिक मीटिंग बुलाई और चीन की संभावित प्रतिक्रिया और अमेरिका की टेस्टिंग पॉलिसी पर चर्चा की । साउथ चाइना सी और हिंद महासागर में भारतीय नौसेना की गश्त बढ़ाई जा चुकी है। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन ने भी सैटेलाइट मॉनिटरिंग को सक्रिय अलर्ट मोड पर रखा है। क्योंकि अगर ट्रंप के टेस्ट का असर रेडियोएक्टिव स्तर तक पहुंचा है तो उसका असर भारत की वायुमंडलीय स्थिति तक महसूस हो सकता है। यह केवल अमेरिका बनाम चीन का मामला नहीं है। यह परमाणु व्यवस्था के पुनर्गठन की शुरुआत है। भारत को अब यह तय करना होगा कि वह साइलेंट ऑब्जर्वर रहेगा या रेस्पॉन्सिव प्लेयर।

भाजपाइयों की सामंती सोच में नारी का न तो कोई मान है, न स्थान: अखिलेश यादव

सपा प्रमुख ने एक महिला के साथ हो रही मारपीट व अभद्रता का वीडियो जारी किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एकबार फिर बीजेपी सरकार पर करारा हमला बोला है। यूपी पूर्व सीएम ने एक महिला के साथ हो रही मारपीट व अभद्रता का वीडियो वायरल कर कहा है कि इस बेटी की आवाज़ सुनी जाएगी या बुलडोज़र से दबा दी जाएगी। उन्होंने कहा है कि उप्र में महिलाओं के खिलाफ़ अपराधों का सिलसिला बढ़ता ही जा रहा है। भाजपाइयों की सामंती सोच में नारी का न तो कोई मान है, न स्थान है।

उन्होने कहा ऐसे मामलो को कोर्ट स्वत संज्ञान ले क्योंकि भाजपा सरकार से तो कोई उम्मीद है ही नहीं। दरअसल लखनऊ की राजधानी में देवरिया की एक बेटी को उसके ही घर में घुसकर मारा-पीटा गया,उसके साथ छेड़खानी हुईऔर आज तक एफआईआरतक दर्ज नहीं हुई! सवाल ये है, जब राजधानी में ही बेटियाँ सुरक्षित नहीं,तो बाकी प्रदेश में कौन देगा सुरक्षा की गारंटी? बेटियों की सुरक्षा एक वादा नही अधिकार है।

गन्ना मूल्य बढ़ाए पर किसानों के लागत मूल्य और बढ़े

उप्र सरकार ने 3 वर्षों में 8.11 प्रतिशत गन्ना मूल्य बढ़ाए है,गन्ने की उत्पादन लागत में 53 प्रतिशत हिस्सा मजदूरी का है, जो 3 वर्षों मे सरकारी रिकार्ड के अनुसार ही 18.6प्रतिशत बढ़ी है, 15-20प्रतिशत पेस्टीसाइड, एनपीके व डीएपी बढ़े है। सरकार ने जो 30/कु. बढ़ाए है, उससे अधिक तो किसानों के लागत मूल्य बढ़ चुके है।

पीडीए संविधान की रक्षा के लिए वचनबद्ध

सपा प्रमुख ने कहा कि संविधान को मिटाने-हटाने की कोशिश भाजपाई और उनके संगी-साथी कभी रूप बदलकर करते हैं तो कभी नया मुखौटा लगाकर। पीडीए संविधान की रक्षा के लिए वचनबद्ध है क्योंकि संविधान ही हमारी ढाल और संविधान ही संजीवनी है। सोच कर देखिए जब संविधान का रक्षा कवच पीडीए के पास है तब इतना शोषण और जुल्म ढहाया जा रहा है अगर संविधान ख़तरे में पड़ा तो ये प्रभुत्ववादी किस हद तक अत्याचार करेंगे। जिनकी संख्या 'नौ दहाई' उनका हिस्सा एक तिहाई भाजपा राज में 90प्रतिशत पीडीए के साथ नाइंसाफ़ी का आँकड़ा। एसआईआर में लगे सरकारी कर्मियों का आँकड़ा चुनाव आयोग से मिलते ही प्रकाशित किया जाएगा। साथ ही यह भी बताया जाएगा कि किस समाज के लोगों को ख़ासतौर से रखा गया है और किसको ख़ासतौर से हटाया गया है।

चुनाव आयोग भाजपा सरकार की कठपुतली: अभय चौटाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। देशभर में मतदान केंद्रों पर लंबी कतारों को कम करने के लिए चुनाव आयोग ने बड़ा कदम उठाया है। आयोग ने कहा है कि 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान शुरू किया गया है। इससे पहले एसआईआर बिहार में हुआ था।

बिहार के बाद चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सहित 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) का काम शुरू करने की घोषणा की है। एसआईआर के दूसरे चरण पर इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय चौटाला ने कहा चुनाव आयोग निष्पक्ष होना चाहिए। अभय चौटाला ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भाजपा सरकार की कठपुतली है। आज चुनाव आयोग पर किसी को विश्वास नहीं है। चुनाव आयोग ने कोई चीज निर्धारित कर दी उसे मानना मजबूरी है, लेकिन ऐसी चीजें ज्यादा दिन तक नहीं चलती। विपक्ष कमजोर है जिसकी वजह से मन मर्जी के फैसले सरकार में बैठे लोग ले रहे हैं। बिहार इस अभियान को पूरा करने वाला पहला राज्य बन गया है, जहां अब हर पोलिंग स्टेशन पर अधिकतम 1,200 मतदाता होंगे। पहले यह संख्या 1,500 थी। इस बदलाव से राज्य में मतदान केंद्रों की संख्या 77,895 से बढ़कर 90,712 हो गई है।

मुस्लिमों को अपने पाले में करेंगी मायावती

» बसपा 18 मंडलों में संयोजक के जरिए पैठ बनाएगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुस्लिम वोट बैंक को अपने पाले में करने के लिए बहुजन समाज पार्टी ने मुस्लिम समाज भाईचारा संगठन बनाया है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने प्रदेश के सभी 18 मंडलों में इस संगठन में एक दलित व एक मुस्लिम को संयोजक बनाया है। दोनों लोग मिलकर अपने मंडल की प्रत्येक विधानसभा में मुस्लिम समाज के साथ छोटी बैठकें करके उन्हें पार्टी से जोड़ेंगे।

वह मुस्लिम समाज को बसपा के मिशन के बारे में भी बताएंगे और पार्टी का सदस्य बनाएंगे। इसकी रिपोर्ट सीधे बसपा सुप्रीमो को भेजी जाएगी। बसपा सुप्रीमो ने पार्टी प्रदेश कार्यालय में आयोजित मुस्लिम समाज भाईचारा संगठन की विशेष बैठक में चार बार प्रदेश में रही बसपा सरकार के दौरान अल्पसंख्यकों खासकर मुस्लिम समाज के हित में किए 100 कार्यों को भी गिनाया। बैठक के दौरान पहली दो पंक्तियों में मुस्लिम नेताओं को जगह दी गई। इस दौरान पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद भी मौजूद थे। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि बीते कई चुनावी अनुभवों से साफ है कि यूपी में मुस्लिम समाज का पूरा समर्थन मिलने के बावजूद सपा और कांग्रेस भाजपा को नहीं हरा पा रहे हैं, जबकि मुस्लिम समाज का कम समर्थन मिलने पर भी बसपा ने भाजपा को परास्त करके दिखाया है। दरअसल, सपा व कांग्रेस आदि की राजनीति दलित, पिछ?, मुस्लिम व अन्य वंचित बहुजन विरोधी रही है और इनके गलत कार्यों से ही भाजपा मजबूत हुई है। इस बात को मुस्लिम समाज के लोग जितनी जल्दी समझ लें, उतना बेहतर है।

बसपा सरकारों ने जातिवाद व सांप्रदायिकता को खत्म किया : मायावती

मायावती ने कहा कि बसपा सरकारों में मुस्लिम समाज के हित व कल्याण के साथ हर स्तर पर उचित भागीदारी सुनिश्चित की गई थी। उनके जान-माल व मजहब की हिफाजत बेहतरीन कानून-व्यवस्था देकर की। जातिवाद व सांप्रदायिकता को खत्म किया। प्रदेश को पूरी तरह से दंगा, शोषण, अन्याय व भय-मुक्त किया। जबकि दूसरी पार्टियों के ऐसे दावे हवा-हवाई हैं। इनकी कथनी व करनी में जमीन-आसमान का अंतर है। वे केवल वोट के स्वार्थ के लिए मुस्लिमों का इस्तेमाल करते हैं। सरकार में आने पर दलित व अन्य पिछड़ों को भी भुला देते हैं।

अवसरवादी लोगों से रहें सावधान

मायावती ने कहा कि बसपा को सपा व कांग्रेस जैसी पार्टियों के घिनौने हथकंडों के साथ पार्टी में कुछ स्वार्थी व अवसरवादी लोगों के भितरघात का भी सामना करना पड़ता है। इसका ताजा उदाहरण शमसुद्दीन राईन है, जिन्होंने बीते चुनावों में खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पार्टी को काफी नुकसान पहुंचाया। चेतावनियों के बावजूद सुधार नहीं होने पर उन्हें पार्टी से बाहर कर दिया गया है। आगे ऐसा नहीं हो, इसके लिए पार्टी के लोग हमेशा सतर्क रहें। ऐसी कोई भी शिकायत सीधे पार्टी प्रमुख के संज्ञान में लाएं।

बिहार की जनता बदलाव के मूड में है: कन्हैया कुमार

» बोले कांग्रेस नेता- नीतीश कुमार नहीं बनेंगे प्रदेश के अगले मुख्यमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने कहा कि इस बार बिहार की जनता बदलाव के मूड में है और राज्य में नई सरकार बनने जा रही है। कन्हैया कुमार ने दावा किया कि महागठबंधन की सरकार बनना तय है और लोग डबल इंजन की सरकार स ऊब चुके हैं।

कन्हैया कुमार ने कहा कि बिहार में परिवर्तन की बयार चल रही है, जनता रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर सोच रही है 14 नवंबर को जब परिणाम आएंगे, तब बिहार को एक नई दिशा देने वाली सरकार बनेगी. उन्होंने कहा कि नई सरकार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने, पलायन रोकने और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने का काम करेगी। कन्हैया ने नीतीश कुमार पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि जेडीयू को बीजेपी ही खत्म कर रही है. अगर गलती से एनडीए को बहुमत मिल भी गया, तो नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। उनका हाल महाराष्ट्र के एकनाथ शिंदे जैसा होगा. उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार को विपक्ष से नहीं, बीजेपी से डरना चाहिए।

कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि डबल इंजन की सरकार ने बिहार की स्थिति को बर्बाद कर दिया है. राज्य में बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और शिक्षा की बदहाली बढ़ी है. अब जनता यह सब बदलना चाहती है. हमारी प्राथमिकता होगी कि बिहार में सुख, शांति और समृद्धि को फिर से बहाल किया जाए।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

वसुंधरा मुझे कुचलना चाहती थीं: बेनीवाल

» आरएलपी ने मनाया स्थापना दिवस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बीकानेर। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) ने बीकानेर में अपना सातवां स्थापना दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया। जयपुर रोड स्थित पॉलिटेक्निक कॉलेज मैदान में आयोजित इस विशाल समारोह में पार्टी प्रमुख हनुमान बेनीवाल ने केक काटा और कार्यकर्ताओं के साथ जश्न मनाया।

कार्यक्रम के दौरान करीब 10 मिनट तक आतिशबाजी चली, जबकि मंच पर हजारों कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में बेनीवाल ने अपने अंदाज में राज्य की राजनीति पर तीखे वार किए। अपने संबोधन में बेनीवाल ने कहा कि लोगों ने कहा था वसुंधरा मुझे कुचल देंगी, लेकिन हुआ उल्टा, वो खुद ही दूर हो गईं। उन्होंने इसे अपनी राजनीतिक यात्रा का अहम मोड़ बताते हुए कहा कि आरएलपी जनता की ताकत से बनी थी और जनता की ताकत से ही आगे बढ़ेगी। बेनीवाल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को भी निशाने पर लिया और कहा कि उन्हें भी हमें ही ठीक करना पड़ेगा। उन्होंने युवाओं से कहा कि अब किसी का दिमाग खराब हो गया है, उसे ठीक करने का वक्त आ गया है। युवाओं को तैयार रहना चाहिए, क्योंकि कभी भी विधानसभा या दिल्ली तक आंदोलन करना पड़ सकता है।

कृषि मंत्री पर भ्रष्टाचार के आरोप

बेनीवाल ने कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा का नाम लिए बिना कहा कि कृषि मंत्री के चक्कर में लोग असली-नकली का फर्क नहीं समझ पाए। उन्होंने आरोप लगाया कि मूंगफली खरीद और फसल बीमा में बड़े पैमाने पर घोटाले हो रहे हैं और कुछ नेता कंपनियों से गाड़ियां और गिफ्ट ले रहे हैं।

असम में अब बांग्लादेश के राष्ट्रगान पर घमासान

भाजपा ने किया तीखा प्रहार

कांग्रेस वरिष्ठ नेता ने गाया अमार सोनार बांग्ला

» अगले साल होने है विधानसभा चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। असम में अगले विधान सभा चुनाव हैं। वहां पर अभी से सियासत परवान चढ़ने लगी है। कांग्रेस व भाजपा में वार-पलटवार अभी से आरंभ हो गया है। कांग्रेस नेता गौरव गागोई व बीजेपी के सीएम एक दूसरे पर हमला बोलने का कोई भी मौका नहीं छोड़ते है। अब असम के श्रीभूमि जिले में कांग्रेस के कार्यक्रम के दौरान एक गाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। आरोप है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बिधु भूषण दास ने एक बैठक में कथित तौर बांग्लादेश का राष्ट्रगान अमार सोनार बांग्ला, आमी तोमाय भालोबाशी गीत गाया।

कांग्रेस के कार्यक्रम में बांग्लादेशी गीत गाने को लेकर बीजेपी ने कांग्रेस की कड़ी आलोचना की है। भाजपा ने कांग्रेस को बांग्लादेश-प्रेमी करार दिया। दरअसल, सोमवार को असम के श्रीभूमि जिले के इंदिरा भवन, स्थानीय कांग्रेस कार्यालय में जिला सेवा दल की कार्यकारिणी समिति की बैठक चल रही थी। इस दौरान सेवा दल के पूर्व जिला अध्यक्ष रह चुके हैं दास ने अपने भाषण की शुरुआत करते हुए बांग्लादेश का राष्ट्रगान, आमार सोनार बांग्ला गाया।

कांग्रेस का बांग्लादेशी प्रेम

इस घटना को लेकर बीजेपी ने राजनीतिक शुरू कर दी है। बीजेपी ने वीडियो वायरल करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा है। भाजपा की असम इकाई ने एक्स पर लिखा, संकेत इससे ज्यादा जोरदार नहीं हो सकते। कुछ ही दिन पहले, बांग्लादेश ने पूरे पूर्वोत्तर को निगलने वाला एक नक्शा प्रकाशित करने की हिम्मत की थी और अब बांग्लादेश-प्रेमी कांग्रेस यहां असम में गर्व से बांग्लादेश का राष्ट्रगान गा रही है। अगर इसके बाद भी किसी को एजेंडा समझ नहीं आ रहा है, तो या तो वे अंधे हैं, या फिर इसमें शामिल हैं, या दोनों।

हिमंत और प्रियांक खड़गे आमने-सामने

कर्नाटक के आईटी मंत्री प्रियांक खरगे द्वारा असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर तंज कसने के बाद, कांग्रेस नेता को राज्य के प्रतिभा भंडार पर सवाल उठाने के लिए बेवकूफ कहने पर वाकयुद्ध छिड़ गया है। जवाब में, असम भाजपा इकाई ने खड़गे का मज़ाक उड़ाते हुए एक चुटीला तंज हेलो, टेडी बॉय कहा और कहा कि सोशल मीडिया पर लंबे निबंध लिखने से वह विशेषज्ञ नहीं बन जाते। यह विवाद सोमवार को तब शुरू हुआ जब कर्नाटक के मंत्री ने कथित तौर पर एक समाचार चैनल को बताया कि उनके राज्य के लिए होने वाले सेमीकंडक्टर निवेश को केंद्र द्वारा बाधित किए जाने के बाद गुजरात और असम की ओर मोड़ दिया जा रहा है। उन्होंने दावा किया, सेमीकंडक्टर उद्योग असम और गुजरात क्यों जा रहे हैं, जबकि वे वास्तव में बेंगलुरु आना चाहते हैं? कर्नाटक के लिए होने वाले सभी निवेशों को केंद्र सरकार द्वारा बाधित किया जा रहा है। जवाब में, हिमंत सरमा ने उन्हें बेहतरीन मूर्ख कहा और कहा कि कांग्रेस मंत्री की टिप्पणी असम के शिक्षित, युवा लोगों का अपमान है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उनकी सरकार खड़गे के खिलाफ मामला दर्ज करने पर विचार कर रही है और मंत्री के आपत्तिजनक बयान की निंदा न करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की।

असम के मंत्री अशोक सिंगल ने लगाया ये आरोप

असम के मंत्री अशोक सिंघल ने पोस्ट किया है, श्रीभूमि, असम में कांग्रेस की बैठक में बांग्लादेश का राष्ट्रगान आमार सोनार बांग्ला गाया गया - यह वही देश है जो पूर्वोत्तर को भारत से अलग करना चाहता है। अब यह स्पष्ट है कि क्यों कांग्रेस ने दशकों तक असम में अवैध मिया घुसपैठ की अनुमति दी और उसे प्रोत्साहित किया - ताकि वोट बैंक की राजनीति के लिए राज्य की जनसांख्यिकी को बदलकर ग्रेटर बांग्लादेश का निर्माण किया जा सके। 1905 में लिखा गया था गीत। गौरतलब है कि आमार सोनार बांग्ला, जिसका अर्थ है मेरा स्वर्णिम बंगाल, रवींद्रनाथ टैगोर ने 1905 में बंगाल के पहले विभाजन के विरोध में लिखा था। इस कदम ने अंग्रेजों के खिलाफ व्यापक विरोध को जन्म दिया। बांग्लादेश ने 1971 में अपनी स्वतंत्रता के बाद, इसके लिखे जाने के लगभग सात दशक बाद, आमार सोनार बांग्ला को अपना राष्ट्रगान बनाया। सीमा के दोनों ओर बंगाली भाषी अक्सर सार्वजनिक और निजी कार्यक्रमों में आमार सोनार बांग्ला गाते हैं। बराक घाटी का हिस्सा बांग्लादेश की सीमा से लगा हुआ है। ऐसे में यहां कार्यक्रम के दौरान सीमा के दोनों ओर बंगाली भाषी अक्सर सार्वजनिक और निजी कार्यक्रमों में आमार सोनार बांग्ला गाते हैं। लेकिन यह विवाद चुनावी राजनीतिक समीकरणों को हवा दे सकती है।

महाराष्ट्र में भाजपा व विपक्ष में रार

नये कार्यालय से लेकर अजगर पर वार-पलटवार

» एनसीपी प्रमुख शरद पवार के शुगर इंस्टीट्यूट का ऑडिट संयोग या प्रयोग

» विपक्ष ने तो बताया बदले की हो रही कार्रवाई

» वीएआई के फंड की जांच के लिए कमेटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में भाजपा व विपक्ष में रार मचा हुआ है। जहां बीजेपी के नए कार्यालय को ले कर विपक्ष उसको घेरेने में लगा है। एनसीपी एसपी के नेता रोहित पवार ने जमीन आवंटन में धांधली बताकर भाजपा को परेशान किया है।

वहीं शाह को शिवसेना यूबीटी ने अनाकोंडा कहा है तो भाजपा उसे अजगर बता दिया है। वहीं सरकार ने एनसीपी प्रमुख शरद पवार के पुणे स्थित वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट (वीएसआई) के फंड के इस्तेमाल का ऑडिट कराने का आदेश दिया है। विपक्ष ने इस कदम को राजनीतिक बदले की कार्रवाई बताया है। वहीं ऑडिट कराने का फैसला 30 सितंबर को कैबिनेट में लिया गया। शुगर कमिश्नर संजय कोलते ने बताया कि कैबिनेट की बैठक के मिनट्स मिलने के बाद, वे वीएआई के रिकॉर्ड और फंड के इस्तेमाल की जांच के लिए एक कमेटी गठित कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि संस्थान के खिलाफ कोई शिकायत नहीं है।

पुणे का बारामती इलाका पवार परिवार का गढ़

1975 में सहकारी फैक्ट्रियों के गन्ना किसानों द्वारा स्थापित, वीएसआई चीनी उद्योग के लिए एक अनुसंधान एवं विकास संस्थान है। यह अपनी गतिविधियों के लिए सहकारी मिलों से पेराई की गई प्रति टन गन्ने पर 1 रुपया प्राप्त करता है। शरद पवार के अलावा, उनके भतीजे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार, पूर्व मंत्री दिलीप पाटिल, जयंत पाटिल और कांग्रेस के बालासाहेब थोरात भी इसके ट्रस्टियों में शामिल हैं। एनसीपी-एसपी के नेता इस कदम को विपक्ष के गढ़ों को निशाना बनाने की रणनीति का हिस्सा मान रहे हैं। पुणे जिले का बारामती इलाका पवार परिवार का राजनीतिक गढ़ है, जबकि ठाणे शिवसेना के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का घरेलू मैदान है।

गंभीर शिकायत मिलने पर होगी जांच

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने वीएसआई के खिलाफ किसी भी जांच की बात से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि शुगर कमिश्नर ने केवल पेराई की गई प्रति टन गन्ने से संस्थान द्वारा वसूले जाने वाले 1 रुपये के इस्तेमाल के बारे में जानकारी मांगी है। उन्होंने कहा कि कोई जांच शुरू नहीं की गई है। उन्होंने आगे कहा कि यदि वीएसआई के खिलाफ कोई गंभीर शिकायत मिलती है, तो हम जांच कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि फिलहाल संस्थान के खिलाफ कोई भी शिकायत नहीं है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

नशे पर नियंत्रण के उठाने होंगे कड़े कदम

दुर्भाग्य यह कि पुलिस और देश की विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों के स्तर पर पैडलर तो छिटपुट स्तर पर पकड़े जाते हैं, पर इस प्रक्रिया के मूल उद्गम तक कभी किसी की पहुंच नहीं रही। नशे पर नियंत्रण के लिए ऐसे मूल उद्गमों पर प्रहार करना होगा। कुछ जागरूकता के प्रयास हो रहे हैं, इन्हें भी व्यापक स्तर पर बढ़ाना होगा और सतत रूप से संचालित करना होगा।

भारत में युवाओं के बीच नशा बहुत तेजी ये फै ल रहा है। ये नशा इतना खतरनाक हो गया है कि लोग अपने रिश्ते नाते भूल जा रहे हैं। हत्या व आत्म हत्या बढ़ रहे हैं। चडीगढ़ में हाल ही में नशे की लत के बुरी तरह शिकार बेटे की हत्या को लेकर उसके पूर्व डीजीपी पिता पर लगे आरोपों से जुड़े कई पहलू हैं। इनमें आपराधिक पहलू को देखने, समझने और न्याय करने का काम हमारा कानून और न्यायिक प्रणाली करेंगे। लेकिन, इसका जो दूसरा पहलू है नशे का, उस पर पुलिस, प्रशासन और समाज सभी को समग्रता व पूर्ण संवेदना के साथ समझने और इस पर अंकुश के उपाय करने की जरूरत है। यह मामला देश के लाखों करोड़ों उदाहरणों में से एक है, जो यह समझने के लिए काफी है कि नशे के सौदागर किस तरह बालपन में ही व्यक्ति को अपनी गिरफ्त में लेकर उन्हें और उनके परिवार को बर्बाद करने का काम कर रहे हैं। वे जानते हैं कि एक बार किसी को नशे की लत लग गई तो जिंदगी भर के लिए वह उनकी कमाई की मशीन बन जाएगा। इसलिए वे स्कूली स्तर से ही ताक में लग जाते हैं और मौका मिलते ही बच्चे को शिकार बना देते हैं। फिर एक बच्चे से दूसरा, दूसरे से तीसरा करके सिलसिला चल निकलता है।

अमरीका में इसके सटीक आंकड़े उपलब्ध हैं और वे सतत रूप से अपडेट भी होते हैं कि बारह साल से सत्रह साल तक और अठारह से पच्चीस साल तक के कितने लोग किस तरह के नशे की लत के शिकार हैं। भारत की मुश्किल यह है कि यहां इस तरह की सतत प्रक्रिया नहीं है। इसलिए सही रूप में किसी के पास यह जानकारी ही नहीं है कि समस्या कितनी गहरी है। कभी कोई संगठन, संस्थान या राज्य अपने स्तर पर सर्वे करवा लेता है। इसमें वस्तुस्थिति का सही अहसास नहीं किया जा सकता। फिर भी समस्या की भयावहता के भान के लिए एम्स की एक रिपोर्ट को आधार माना जा सकता है। नशे के कारण विभिन्न बीमारियों से घिरने पर एम्स में इलाज के लिए आए लोगों की संख्या पर आधारित इस रिपोर्ट के अनुसार देश में 2.26 करोड़ ज्यादा लोग हेरोइन, अफीम जैसे नारकोटिक्स नशे के शिकार हैं। इनमें 60 लाख से ज्यादा लोगों को इलाज की जरूरत है। साढ़े आठ लाख से ज्यादा लोग एम्स में ऐसे आए जिन्हें इंजेक्शन से ड्रग लेने की लत है। सूंघकर लिए जाने वाले थिनर और स्प्रे जैसे नशों में तो बच्चों (1.7 प्रतिशत) ने बड़ों (0.58 फीसदी) को भी पीछे छोड़ दिया है। अकेले एम्स में इतने लोग आ रहे हैं। पूरे देशभर के अस्पतालों में संख्या कितनी होगी और कितने ऐसे होंगे, जो अस्पतालों तक नहीं पहुंच रहे होंगे, अंदाजा ही लगाया जा सकता है। नशे की समस्या नशे तक सीमित नहीं है, हो भी नहीं सकती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आगे जाता आसियान और पीछे होता सार्क

प्रमोद जोशी

हाल में दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया को लेकर दो तरह की खबरें मिली थीं, जिनसे दो तरह की प्रवृत्तियों के संकेत मिलते हैं। आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल तरीके से और विदेशमंत्री एस जयशंकर स्वयं उपस्थित हुए थे। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कम्युनिटी विजन 2045 को अपनाने के लिए आसियान की सराहना की। कम्युनिटी विजन 2045 अगले बीस वर्षों में इस क्षेत्र को एक समेकित समन्वित विकास-क्षेत्र में तब्दील करने की योजना है। अपने आसपास के राजनीतिक माहौल को देखते हुए यह जाहिर होता जा रहा है कि भारत को पूर्व की दिशा में अपनी कनेक्टिविटी का तेजी से विस्तार करना होगा। यह विस्तार हो भी रहा है, पर म्यांमार की अस्थिरता और बांग्लादेश की अनिश्चित राजनीति के कारण कुछ सवाल खड़े हो रहे हैं।

दक्षिण-पूर्व एशिया के पांच देशों (कंबोडिया, लाओस, म्यांमार, थाईलैंड और वियतनाम) के साथ सांस्कृतिक और वाणिज्यिक संबंधों को बढ़ावा देने वाले 'गंगा-मीकांग सहयोग कार्यक्रम' में हमें तेजी लानी चाहिए। अब उस दूसरी खबर की ओर आएं, जो इस सिलसिले में महत्वपूर्ण है। भारत के सरकारी स्वामित्व वाले भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने गत 22 अक्टूबर से अपने पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए बांग्लादेश से इंटरनेट बैंडविड्थ का आयात बंद कर दिया। इस कदम का सीधा असर पूर्वोत्तर की इंटरनेट कनेक्टिविटी पर पड़ेगा, जो अभी तक बांग्लादेश अखौरा बंदरगाह के माध्यम से आयातित बैंडविड्थ पर निर्भर थी। यह फैसला अचानक नहीं हुआ है। पिछले साल दिसंबर में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने हसीना सरकार के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें भारत के पूर्वोत्तर को बैंडविड्थ की आपूर्ति के लिए बांग्लादेश को ट्रांजिट प्वाइंट के रूप में उपयोग करने की अनुमति दी गई थी। बांग्लादेश टेलीकम्युनिकेशंस रेग्युलेटरी कमीशन (बीटीआरसी) का कहना था कि भारत को ट्रांजिट पॉइंट देने से क्षेत्रीय इंटरनेट हब बनने की हमारी क्षमता कमजोर हो जाएगी।

भारत का पूर्वोत्तर पहले घरेलू फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क का उपयोग करके चेन्नई में समुद्री केबलों के माध्यम से सिंगापुर से जुड़ा हुआ था। चूंकि चेन्नई में लैंडिंग स्टेशन पूर्वोत्तर से लगभग 5,500 किमी दूर है, इसलिए इंटरनेट की गति पर असर पड़ता था। बहरहाल अब भारत पूर्वोत्तर राज्यों में इंटरनेट कनेक्शन पूरी तरह से अपने

फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क और नए सैटेलाइट सिस्टम के जरिए देगा। इसके लिए भारतनेट प्रोजेक्ट में बड़े सुधार किए गए हैं, जो भारत का अपना डिजिटल नेटवर्क है। साथ ही इसरो के हाई-स्पीड सैटेलाइट नेटवर्क को भी बेहतर तरीके से जोड़ा गया है। इन बदलावों की वजह से अब पूर्वोत्तर राज्यों को तेज और भरोसेमंद इंटरनेट मिलेगा, बिना किसी बाहरी देश पर निर्भरता जताए हुए। भारत और बांग्लादेश के बीच यह महत्वपूर्ण सहयोग था, जो दक्षिण एशिया में कनेक्टिविटी के महत्व को रेखांकित करता था। यह सहयोग भी एकतरफा नहीं था। भारत भी बांग्लादेश को बैंडविड्थ दे रहा है, जिसे बांग्लादेश अब कम करता जा रहा है। बांग्लादेश ने दूसरे देशों, जैसे सिंगापुर वगैरह से समुद्र में बिछे केबलों के मार्फत बैंडविड्थ आयात शुरू किया है। बात केवल यह नहीं है कि वे अपनी बैंडविड्थ को बढ़ा रहे हैं, महत्वपूर्ण है भारत की अनदेखी करना। इस साल 5 अगस्त को बांग्लादेश में छात्रों के विद्रोह के बाद शेख हसीना की सरकार के पराभव का एक साल पूरा हो गया है। इस दौरान वहां की अंतरिम सरकार बड़े-बड़े फैसले कर रही है, जिनमें कनेक्टिविटी, व्यापार और यहां तक कि रक्षा से जुड़े विषय भी शामिल हैं। हालांकि वहां अगले साल फरवरी में चुनाव कराने की घोषणा की गई है, पर एक तबका अब भी चाहता है कि चुनाव टाले जाएं और अंतरिम सरकार न केवल नीतियों के मामले में बल्कि संविधान से जुड़े मामलों में भी बुनियादी फैसले करे। पिछले साल तक भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' और 'एक्ट ईस्ट' नीतियों के मूल में, बांग्लादेश एशिया में शीर्ष पांच निर्यात स्थलों में से एक और भारत के पर्यटन निर्यात का सबसे बड़ा स्रोत था।

यह नई दिल्ली की क्षेत्रीय कनेक्टिविटी महत्वाकांक्षाओं में भी एक महत्वपूर्ण कड़ी थी, जिसमें सड़क, रेल, ऊर्जा और डिजिटल नेटवर्क को एक इच्छुक भागीदार के रूप में ढाका के साथ सीमाओं के पार एक साथ जोड़ा गया था। व्यापार और ट्रांसशिपमेंट अधिकारों को निलंबित करने के साथ कनेक्टिविटी संपर्क बाधित हो गए हैं। इतना ही नहीं चीन-पाक से रिश्ते सुधारने की दिशा में इस देश ने असाधारण तेजी दिखाई है। भारत के साथ रेलवे लाइनों जैसी भौतिक और डिजिटल कनेक्टिविटी परियोजनाओं को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया गया है।

भ्रष्ट सिस्टम के खिलाफ सरहदें लांघता जेन-ज़ी आक्रोश

भाषा सिंह

अफ्रीका के मेडागास्कर देश में तख्तापलट हो गया। जेन-जी आंदोलन ने एक और देश में राजनीतिक तब्दीली करवा दी है। सैन्य तख्तापलट करने वाले कर्नल माइकल रैंड्रियनिरिना नए राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ले चुके हैं। अगले दो साल सेना सत्ता संभालेगी। आंदोलन के कारण निर्वाचित राष्ट्रपति एंड्री राजोलीना देश छोड़कर भाग गये थे। मेडागास्कर से पहले नेपाल में भी जेन-जी आंदोलन सत्ता परिवर्तन कराने में सफल हो चुका है। दरअसल एशिया-अफ्रीका-यूरोप के युवा सड़कों पर हैं। वे गुस्से में हैं। ये सारे जेन ज़ी अपने-अपने देशों की सरकारों को हिलाकर, सत्ता में बदलाव चाहते हैं। ये किसी राजनीतिक दल से सीधे-सीधे जुड़े नहीं हैं और न ही इनके बीच कोई बड़ा लीडर है। एशिया के तीन देशों में जेन-जी उभार तख्तापलट करवा चुका है। ये अलग ही किस्म का राजनीतिक उभार है।

हर देश के जेन-जी आंदोलन में एक बात आम है कि वे बुनियादी मांगों के पूरा न होने पर गुस्से में हैं। तकरीबन हर देश में उनका गुस्सा फूटता है और अपने संग तमाम राजनीतिक ढांचों को बहा ले जाता है। यह भी साफ है कि इस युवा पीढ़ी को मौजूदा राजनीतिक तौर-तरीकों यानी फ्रेमवर्क से अपने मसले हल करने में कोई विश्वास नहीं हैं। जेन-जी युवाओं के भीतर मौजूदा भ्रष्ट सिस्टम के प्रति नाराजगी कुछ समय से पलती रहती है और अचानक कोई ट्रिगर प्वांइट होने पर फट जाता है। मेडागास्कर से पहले श्रीलंका, बांग्लादेश और हाल में नेपाल में जिस तरह से युवाओं ने सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों के साथ बाकी प्रचलित पार्टियों को किनारे लगाया, वह भी अलग ढंग का राजनीतिक उभार है। सारे जेन-जी विरोधों-प्रदर्शनों के केंद्र में बहुत बुनियादी मांगें हैं- मसलन बेरोजगारी-महंगाई व बेहद भ्रष्टाचार पर गुस्सा, भाई-भतीजावाद पर नाराजगी और खराब सार्वजनिक सेवाओं और बढ़ती गरीबी व असमानता के खिलाफ विद्रोह। लेकिन ये तमाम आंदोलन सत्ता में आमूल-चूल परिवर्तन के बजाय तात्कालिक सत्ता परिवर्तन करने की दिशा अपनाते हैं।

इस आंदोलन की पीठ पर सवार होकर सत्ता पर कब्जा करने वाली ताकतों के चेहरे बहुत बाद में सामने आते हैं और उन्हीं के पास नेतृत्व चला जाता है। अफ्रीका के कई देशों, जैसे दक्षिण अफ्रीका, मोरक्को, नाइजीरिया और केन्या में विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं और हर जगह कमान युवाओं के हाथ में है। युवा पीढ़ी को मौजूदा राजनीतिक सिस्टम और पार्टियों से दिक्कत है। नेपाल में जैसे नेपो किड्स यानी नेताओं के ऐशो-आराम में डूबे बच्चों पर गुस्सा फूटा था, बेरोजगारी पर उबाल आया था और इसमें रैपर्स, हिप-हॉप गायकों ने अहम भूमिका निभाई, ठीक उसी तरह मोरक्को में युवा आक्रोश सड़कों पर उतरा। मेडागास्कर में तख्तापलट की कहानी देखें तो महज कुछ हफ्तों से युवा मौजूदा निजाम के खिलाफ पानी और बिजली की कमी, बढ़ती महंगाई और भ्रष्टाचार के खिलाफ सड़कों पर उतरे थे। सरकार ने जब इस आंदोलन की दमन किया, तब सेना की कई यूनिटों ने प्रदर्शनकारियों का साथ दिया। राष्ट्रपति के भागने के बाद कमान सेना ने संभाल ली।

हालांकि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इस तख्तापलट को असंवैधानिक बताया और अफ्रीकी संघ ने भी इस कदम को खारिज किया। देश को अब एक सैन्य परिषद चलाएगी और सेना के मुताबिक दो साल के भीतर चुनाव कराए जाएंगे। सवाल है मेडागास्कर में सैन्य तख्तापलट जेन-जी आंदोलन की अपरिपक्वता का परिणाम है और क्या इससे बाकी देशों में जारी आक्रोश की कोई कड़ी मिलती है। अफ्रीका के ही एक दूसरे देश- मोरक्को में भी चल रहा है जबर्दस्त आंदोलन। मोरक्को के युवा खुद को जेन-जी 212 कहते हैं। वहां स्वास्थ्य सेवाओं की भयानक हालत और महिलाओं की मौतों ने आक्रोश को भड़काया। युवाओं ने टिकटॉक, इंस्टाग्राम जैसे माध्यमों का इस्तेमाल कर ऑनलाइन समर्थन जुटाया और बड़ी लामबंदी 3 अक्टूबर से शुरू की। आंदोलनकारी कहते हैं कि उनका किसी राजनीतिक विचारधारा से जुडाव नहीं है। वे प्रधानमंत्री के इस्तीफे और अपने गिरफ्तार साथियों की रिहाई की मांग लेकर सड़क पर हैं।

जेन-जी मोरक्को सरकार की फिजूलखर्ची से नाराज हैं, 2030 में फीफा वर्ल्ड कप के लिए देश भर में भारी लागत से स्टेडियम और लग्जरी होटल बनाए जा रहे हैं, जबकि साधारण नागरिकों के पास न तो अस्पताल हैं और न ही नौकरियां। सरकार को जनता का पैसा जनता पर ही खर्च करना चाहिए। बुनियादी मांग को लेकर शुरू हुए आंदोलन ने मोरक्को के राजनीतिक परिदृश्य को बदल दिया। जब उनके आंदोलन का दमन किया गया तब इस विरोध ने उग्र स्वरूप अख्तियार कर लिया। इसी तरह दक्षिण अफ्रीका में सेवा वितरण और आर्थिक मुद्दों को लेकर प्रदर्शन हो रहे हैं। नाइजीरिया और केन्या के युवाओं में भी गुस्सा फूट रहा है। दुनिया भर में जारी जेन-जी आंदोलनों में कॉमन यह है कि युवा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का भरपूर इस्तेमाल करते हैं। सेलेब्रिटीज इस आंदोलन से जुड़ते हैं और इसे आगे बढ़ाने में सक्रिय योगदान देते हैं। मोरक्को में हिप-हॉप गायकों व फुटबॉल सितारों ने आंदोलन की मांगों का समर्थन किया। क्या ऐसे आंदोलन बाकी जगह भी फैलेंगे? बहुत मुमकिन है, लेकिन कितने कामयाब होंगे, कहना मुश्किल है।

सौंफ का पानी

पीने से कई बीमारियों से मिलता है छुटकारा

भारतीय रसोई में सौंफ सिर्फ एक माउथ फ्रेशनर या मसाले के तौर पर ही इस्तेमाल होती है, लेकिन साथ ही यह अपने औषधीय गुणों के लिए भी जानी जाती है। भोजन के बाद सौंफ खाना हमारी पुरानी परंपरा का हिस्सा है, लेकिन रोजाना सौंफ का पानी पीना आपकी सेहत के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है? यह एक साधारण घरेलू उपाय है जो कई गंभीर बीमारियों से राहत दिला सकता है और आपके शरीर को अंदर से मजबूत बना सकता है। सौंफ में एंटीऑक्सिडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीबैक्टीरियल गुण भरपूर मात्रा में होते हैं। इसमें विटामिन सी, कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटैशियम और फाइबर जैसे कई पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। यही वजह है कि सौंफ का पानी न केवल पाचन को दुरुस्त रखता है, बल्कि वजन घटाने, शरीर को डिटॉक्स करने और हार्मोनल संतुलन बनाए रखने में भी मदद करता है।

रक्त को करे शुद्ध

सौंफ का पानी एक बेहतरीन प्राकृतिक डिटॉक्सिफायर है। यह शरीर से हानिकारक विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है, जिससे किडनी और लिवर स्वस्थ रहते हैं। नियमित रूप से सौंफ का पानी पीने से खून साफ होता है, जिससे त्वचा साफ और चमकदार दिखती है। यह शरीर के आंतरिक अंगों की सफाई कर उन्हें बेहतर ढंग से कार्य करने में मदद करता है, जिससे संपूर्ण स्वास्थ्य में सुधार होता है।

पाचन तंत्र बनाए मजबूत

सौंफ एक ऐसा मसाला है, जो न केवल खाने का स्वाद बढ़ाता है। सौंफ का पानी पाचन संबंधी समस्याओं के लिए एक रामबाण इलाज माना जाता है। इसमें मौजूद एसेंशियल ऑयल और फाइबर पाचन प्रक्रिया को उत्तेजित करते हैं। यह पेट की गैस, एसिडिटी, कब्ज और सूजन जैसी समस्याओं से तुरंत राहत दिलाता है। सौंफ में एनेथोल नामक यौगिक होता है, जो पेट की मांसपेशियों को आराम पहुंचाता है और ऐंठन को कम करता है। इसके लिए एक गिलास पानी में कुछ साबुत सौंफ डालकर रातभर छोड़ दें और सुबह उठकर इसे पी लें। सौंफ की चाय पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद कर सकती है। इसके अलावा यह चाय खाने के बाद मुंह की दुर्गंध को भी दूर करती है। सौंफ का पाउडर बनाकर खाने से भी पाचन को लाभ होता है। इसके लिए सूखी सौंफ को मिक्सर में पीस लें और पाउडर बना लें।

हार्मोनल संतुलन सही करे

सौंफ का पानी महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष रूप से फायदेमंद हो सकता है। यह हार्मोनल संतुलन बनाए रखने में मदद करता है, जिससे मासिक धर्म संबंधी समस्याओं, जैसे अनियमित पीरियड्स और पीएमएस (प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम) के लक्षणों में राहत मिलती है। सौंफ में मौजूद फाइटोएस्ट्रोजन जैसे गुण मासिक धर्म के दौरान होने वाली ऐंठन और दर्द को कम करने में सहायक होते हैं। यह महिलाओं में मूड स्विंग्स को नियंत्रित करने और मेनोपॉज के लक्षणों को कम करने में भी मदद कर सकता है।

वजन घटाने में सहायक

यदि आप वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं, तो सौंफ का पानी आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। यह मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देता है, जिससे शरीर में कैलोरी ज्यादा तेजी से बर्न होती है। सौंफ का पानी प्राकृतिक रूप से मूत्रवर्धक होता है, जो शरीर से अतिरिक्त तरल पदार्थ और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। इसके अलावा, इसमें मौजूद फाइबर आपको लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस कराता है, जिससे अनहेल्दी स्नैकिंग और ज्यादा खाने की इच्छा कम होती है।

हंसना मना है

वो लड़कियां भी किसी आतंकवादी से कम नहीं हुआ करती थीं जो टिचर के क्लास में आते ही याद दिला देती है ... सर आपने टेस्ट का बोला था!

वकील - हत्या की रात तुम्हारे पति के अंतिम शब्द? पत्नी - मेरा चश्मा कहां है संगीता? वकील - तो इसमें मारने वाली क्या बात थी? पत्नी - मेरा नाम रंजना है! पूरा कोर्ट खामोश!

एक लड़का अचानक लड़की देखकर शायर बन गया, बोला-लफ्ज़ तेरे, गीत मेरे, लड़की बोली-हाथ मेरे, गाल तेरे, कान के निचे बजा डालूं क्या?

अंकल (पिंटू से)- और बेटा पढ़ाई कैसी चल रही है? पिंटू- बस, अंकल चलते-चलते मुझसे बहुत दूर चली गई है।

डॉक्टर- आपका दांत सड़ चुका है। इसे निकालना पड़ेगा। राजू- हां, तो कितने पैसे लगेंगे? दांत का डॉक्टर- बस 500 रुपए लगेंगे। राजू- 50 रुपए ले लो और थोड़ा सा ढीला कर दो, मैं खुद ही निकाल लूंगा।

मेरी पत्नी विवाह की वर्षगांठ जन्मतिथि के रूप में मनाती है', हीरालाल ने कहा। और आप? हीरालाल-'अपने जिंदगी की पुण्यतिथि के रूप में।

कहानी | कौवा और कोयल

सालों पहले चांदनगर के पास एक जंगल था। वहां एक बड़ा-सा बरगद का पेड़ था, जिसपर एक कौवा और एक कोयल दोनों अपने-अपने घोंसले में रहते थे। एक रात उस जंगल में तेज आंधी चलने लगी। देखते-ही-देखते बारिश शुरू हो गई। कुछ ही देर में जंगल का जो भी था सब बर्बाद हो गया। अगले दिन कौवे और कोयल को अपनी भूख मिटाने के लिए कुछ भी नहीं मिला। तभी कोयल ने कौवे से कहा, हम इतने प्यार से इस जंगल में रहते हैं, लेकिन अब हमारे पास खाने के लिए कुछ नहीं है। तो क्यों न जब मैं अंडा दूं, तो तुम उसे खाकर अपनी भूख मिटाना और जब तुम अंडा दोगे, तो उसे खाकर मैं अपनी भूख मिटा लूंगी? कौवे ने कोयल की बात पर सहमती जताई। संयोग से सबसे पहले कौवे ने अंडा दिया और कोयल ने उसे खाकर अपनी भूख मिटा ली। फिर कोयल ने अंडा दिया। कौवा जैसे ही कोयल का अंडा खाने लगा तो कोयल ने उसे रोक दिया। कोयल ने कहा, तुम्हारी चोंच साफ नहीं है। तुम इसे धोकर आओ। फिर अंडा खाना। भागकर कौवा नदी के किनारे गया। उसने नदी से कहा, तुम मुझे पानी दो। मैं अपनी चोंच धोकर कोयल का अंडा खाऊंगा। नदी बोली, ठीक है! पानी के लिए तुम एक बर्तन लेकर आओ। अब कौवा जल्दी से कुम्हार के पास पहुंचा। उसने कुम्हार से कहा, मुझे घड़ा दे दो। उसमें मैं पानी भर कर अपनी चोंच धोऊंगा और फिर कोयल का अंडा खाऊंगा। कुम्हार ने कहा, तुम मुझे मिट्टी लाकर दो, मैं तुम्हें बर्तन बनाकर दे देता हूं। यह सुनते ही कौवा, धरती मां से मिट्टी मांगने लगा। वो बोला, मां मुझे मिट्टी दे दो। उससे मैं बर्तन बनवाऊंगा और उस बर्तन में पानी भरकर अपनी चोंच साफ करूंगा। फिर अपनी भूख मिटाने के लिए कोयल का अंडा खाऊंगा। धरती मां बोली, मैं मिट्टी दे दूंगी, लेकिन तुम्हें खुरपी लानी होगी। उसी से खोदकर मिट्टी निकलेगी। दौड़ते हुए कौवा लोहार के पास पहुंचा। उसने लोहार से कहा, मुझे खुरपी दे दो। उससे मैं मिट्टी निकालकर कुम्हार को दूंगा और बर्तन लूंगा। फिर बर्तन में पानी भरूंगा और उस पानी से अपनी चोंच धोकर कोयल का अंडा खाऊंगा। लोहार ने गर्म-गर्म खुरपी कौवे को दे दी। जैसे ही कौवे ने उसे पकड़ा उसकी चोंच जल गई और कौवा तड़पते हुए मर गया। इस तरह चतुराई से कोयल ने अपने अंडे कौवे से बचा लिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे।

वृषभ

व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। धैर्य रखें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग परेशानी का कारण रह सकता है।

मिथुन

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बेवजह कहासुनी हो सकती है। कानूनी अड़चन दूर होगी। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल होंगे।

सिंह

विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। निवेश शुभ रहेगा।

कन्या

लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार ठीक चलेगा।

तुला

पराक्रम बढ़ेगा। लंबे समय से रुके कार्य सहज रूप से पूर्ण होंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। शेयर मार्केट में सफलता मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। अज्ञात भय रहेगा।

धनु

आंखों का ख्याल रखें। अज्ञात भय सताएगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। कानूनी अड़चन आ सकती है।

मकर

व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय में निश्चितता रहेगी। कोई बड़ी समस्या आ सकती है। धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कुम्भ

व्यवसाय ठीक चलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है तथा तनाव रहेंगे। सुख के साधन प्राप्त होंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मीन

आराम तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। यश बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। नई योजना बनेगी जिसका तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

'जटाधरा' सोनाक्षी की पहली तेलुगू फिल्म है इसीलिए उन्होंने इसे चुना

बॉलीवुड | मसाला

साउथ अभिनेता सुधीर बाबू अभिनीत आगामी फिल्म जटाधरा में सोनाक्षी सिन्हा अहम भूमिका में नजर आने वाली हैं। अभिनेत्री की यह पहली साउथ फिल्म होने वाली है, जिसमें उन्हें खौफनाक अंदाज में देखा जाएगा। इस फिल्म की कहानी और अपने किरदार के बारे में सोनाक्षी ने बात की है। चलिए जानते हैं उन्होंने क्या कहा।

अभनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने अपनी आगामी फिल्म जटाधरा पर बात की। अभिनेत्री को जब ये फिल्म ऑफर हुई थी, तो उस दौरान के अनुभव को एक्ट्रेस ने साझा किया है। उन्होंने कहा, 'इस फिल्म में मेरी एक अलग भूमिका है, इसकी कहानी बहुत ही अलग है। यह सुपरनैचुरल और माइथोलॉजिकल फिल्म है, इसमें मिट्टी से जुड़ी कहानी है। आपने मुझे पहले कभी इस रोल में नहीं देखा होगा। यह मेरी पहली तेलुगु फिल्म है, इन्हीं सब कारणों की वजह से मैंने यह फिल्म चुनी।'

यह फिल्म 7 नवंबर 2025 को हिंदी और तेलुगु में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें दिव्या खोसला, सोनाक्षी सिन्हा, सुधीर बाबू और शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश, नवीन नेनी और रोहित पाठक जैसे सितारे भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माणा जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा ने मिलकर किया है। इस फिल्म का निर्देशन वेंकट कल्याण और अभिषेक जायसवाल ने मिलकर किया है।

आगे भी स्पेशल डांस करती रहेंगी मलाइका

मलाइका अरोड़ा एक बेहतरीन मॉडल और वीजए हैं। लेकिन इंडस्ट्री में उनकी पहचान एक आइटम गर्ल के तौर पर होती है। वो 50 साल की हो चुकी हैं लेकिन बावजूद इसके आइटम सॉन्ग्स में उनका जलवा आज भी कायम है। मलाइका को इससे कोई परहेज भी नहीं है, वो मानती हैं कि वक्त के साथ इस तरह के स्पेशल गानों का दौर भी बदला है। अब ये सिर्फ ग्लैमर दिखाने या पुरुषों को रिझाने के लिए नहीं होते।

मलाइका ने हाल ही में एक्शन हीरो फिल्म में आप जैसा कोई आइटम सॉन्ग किया था। उन्होंने करियर के शुरुआती दौर में छैयां-छैया, मुन्नी बदनाम हुई, अनारकली डिस्को चली जैसे कई गानों से पॉपुलैरिटी हासिल की। अब वो थामा फिल्म के पॉइजन बेबी गाने से सुर्खियां बटोर रही हैं। लेकिन मलाइका को ये अटेंशन पसंद है।

मलाइका ने कहा,पहले ऐसे गाने सिर्फ चमक-दमक और दिखावे तक सीमित थे, जिनका किसी महिला की पहचान या व्यक्तित्व से ज्यादा लेना-देना नहीं होता था। लेकिन अब फिल्ममेकर ज्यादा अलर्ट हैं। अब ऐसे गानों को कहानी से जोड़ा जाता है, ताकि किरदार की मजबूती दिखे। अब ये सिर्फ ग्लैमरस दिखने के लिए नहीं, बल्कि प्रदर्शन और मौजूदगी दिखाने के लिए होता है। मेरे हिसाब से ये बदलाव बहुत अच्छा है, क्योंकि अब महिलाएं अपना स्पेस खुद बना रही हैं।

मलाइका ने आगे बताया कि उन्हें किसी तरह के लेबल्स से कोई फर्क नहीं पड़ता। वो इन गानों को एंजॉय करती हैं। उन्होंने कहा,आइटम सॉन्ग्स को अक्सर 'मेल गेज' यानी पुरुषों की नजर से देखा जाता है, लेकिन मैं हमेशा इसे अलग तरह से देखती हूं। मेरे लिए डांस आत्मविश्वास और खुद को व्यक्त करने का जरिया है। जब मैं डांस करती हूं, तो बस उस पल को एंजॉय करती हूं और अपनी एनर्जी लाती हूं। जब तक मैं सहज और कंट्रोल में हूं, वही मेरे लिए सबसे जरूरी है। ये कला का जश्न मनाने और मजे लेने के बारे में है, ना कि लेबल्स में उलझने के।

मलाइका ने ये भी कहा कि वो आगे भी स्पेशल डांस नंबर करती रहेंगी,इतने सालों बाद फिर से ऐसे गानों में काम करना, मेरे लिए अपनी पहचान के एक हिस्से को अपनाने जैसा है, फर्क सिर्फ इतना है कि अब मेरे अंदर ज्यादा आत्मविश्वास और अनुभव है। प्रोफेशनल तौर पर देखा जाए तो, ये खुद को नए रूप में पेश करने और साबित करने का मौका है कि उम्र कभी आपके टैलेंट या प्रेरणा की सीमा तय नहीं करती।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरा बेटा नमाज भी पढ़ता है पूजा भी करता है : इमरान

इमरान हाशमी-यामी गौतम स्टारर हक फिल्म अपने सेंसिटिव कहानी की वजह से खूब चर्चा में है। फिल्म शाह बानो, तीन तलाक केस पर आधारित है। जबसे फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है, इसे लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं कि ये धर्म विषेश को ठेस पहुंचाने के लिए बनाई गई है। इस तरह के सभी सवालों का इमरान ने जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि फिल्म के जरिए किसी पर भी निशाना नहीं साधा जा रहा है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने के बाद कई लोगों ने इसकी तारीफ की, लेकिन कुछ ने आलोचना भी की। कुछ लोगों का कहना था कि फिल्म मुसलमानों को निशाना बना रही है या उन्हें गलत तरीके से दिखा रही है। लेकिन एक इंटरव्यू में इमरान हाशमी ने कहा कि ये फिल्म- किसी भी समुदाय पर उंगली नहीं उठाती। इमरान ने कहा,जब मैंने इस फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ी, तो मैं इसे एक कलाकार के नजरिए से देख रहा था। लेकिन पहली बार मुझे लगा कि इसमें मेरे समुदाय से जुड़ी कुछ संवेदनशील बातें हैं, जिन्हें सोच-समझकर दिखाना जरूरी है। मैंने फिल्म से ये समझा कि ये बहुत बैलेंस अप्रोच रखती है। हम किसी पर उंगली नहीं उठा रहे हैं, न ही किसी समुदाय को जज कर रहे हैं। इमरान ने कहा कि, मुझे नहीं पता लोग क्या कहेंगे, लेकिन एक लिबरल मुसलमान के तौर पर मैं कह सकता हूं कि मुझे फिल्म के नजरिए से कोई आपत्ति नहीं हुई। अगर इसमें किसी समुदाय को गलत दिखाया गया होता, तो मैं ये फिल्म कभी नहीं करता। मेरी पत्नी परवीन हिंदू हैं। मेरे परिवार में मेरा बेटा पूजा भी करता है और नमाज भी पढ़ता है। यही मेरा सेक्युलर नजरिया है। इसलिए मैं इस फिल्म को उसी नजरिए से देखता हूं। हर इंसान किसी फिल्म को अपनी परवरिश, धर्म और माहौल के अनुसार देखता है। मोहम्मद अहमद खान बनाम शाहबानो बेगम केस भारत में मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों के लिए एक ऐतिहासिक फैसला माना जाता है।

ये है दुनिया का सबसे महंगा खनिज, इसके सामने फीके पड़ जाएंगे सोना, चांदी और प्लैटिनम

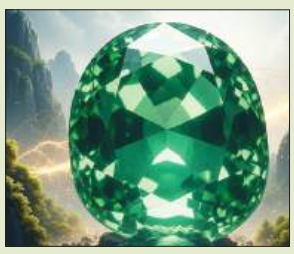

भारत में हर कोई सोने-चांदी से बने गहने-जेवरात को खरीदना चाहता है। इसके लिए हजारों-लाखों रुपए भी खर्च कर देता है। लेकिन क्या आप दुनिया के सबसे महंगे खनिज के बारे में जानते हैं? आपको सुनकर हैरानी होगी, लेकिन बता दें कि इसके सामने सोना, चांदी और प्लैटिनम भी फीके पड़ जाएंगे। इसका नाम भी बहुत कम लोगों को पता होगा। दुनिया का सबसे महंगा मिनरल जेडाइट है, जिसके बारे में कई लोगों ने शायद ही सुना हो। साल 2025 में इसकी कीमत एक कैरेट के लिए 3 मिलियन डॉलर (करीब 26.35 करोड़ रुपये) तक पहुंच गई। एक कैरेट में 0.2 ग्राम होता है, यानी 10 ग्राम में 50 कैरेट होते हैं। 24 कैरेट सोने के 10 ग्राम की कीमत करीब 1,25,620 रुपये है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि जेडाइट के 10 ग्राम की कीमत कितनी है? सुनकर आप हैरान रह जाएंगे- करीब 1,317.5 करोड़ रुपये! पर सवाल यह है कि आखिर यह मिनरल इतना महंगा क्यों है? जेडाइट मुख्य रूप से म्यांमार में पाया जाता है। चीन के लोग इसे बहुत पवित्र मानते हैं और वहां के लोग हमारे यहां सोना खरीदने की तरह ही जेडाइट खरीदते हैं। चीन के मिडिल क्लास लोग भी इसे ग्रुप में खरीदते हैं, जिसकी वजह से इसकी कीमत आसमान पर है। पिछले कुछ दशकों से इस मिनरल की कीमत में 10 प्रतिशत का इजाफा हो रहा है, इसलिए चीन में कई लोग इसमें निवेश भी कर रहे जेडाइट दुर्लभ और उच्च क्वालिटी वाला मिनरल है। इसका रंग हल्का पारदर्शी हरा होता है और बनावट मुलायम होती है। यह सिर्फ म्यांमार में ही पाया जाता है और वहां भी सिर्फ 1 प्रतिशत ही उत्पादन हो पाता है। हर साल इसका उत्पादन कम होता जा रहा है, इसलिए मांग बढ़ने पर कीमत भी बढ़ जाती है। जेडाइट का इस्तेमाल ज्वैलरी, मुकुट और कीमती सामान बनाने में होता है। मेडिकल रिसर्च में पता चला है कि इसमें ऑक्सीडेशन रोकने वाले गुण होते हैं। यह शरीर से टॉक्सिन्स निकालकर स्किन को हेल्दी रखता है, दिल की सेहत को बेहतर बनाता है और इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है। कुछ स्टडीज के मुताबिक, इसमें मौजूद मिनरल्स शरीर की एनर्जी बढ़ाते हैं।

अजब-गजब | ये है वो स्थान जहां एक घंटे में आज बन जाता है कल!

दुनिया की वो जगह, जहां घड़ी हो जाती है पूरी तरह फेल

अगर आपने कभी टाइम ट्रैवल का सपना देखा है, तो बेरिंग स्ट्रेट के ठंडे पानी में छिपे दो छोटे द्वीपों की कहानी आपको हैरान कर देगी। लिटिल डायोमेड आइलैंड (अमेरिका) और बिग डायोमेड आइलैंड (रूस) ये दोनों सिर्फ 3.8 किलोमीटर दूर हैं, लेकिन इनके बीच समय का फर्क 21 से 24 घंटे का है। यानी एक आइलैंड से दूसरे में जाने पर आप एक दिन का समय मात्र एक घंटे में कवर कर लेंगे।

इंटरनेशनल डेट लाइन के कारण लिटिल डायोमेड पर अगर आज बुधवार है, तो बिग डायोमेड पर गुरुवार हो चुका होता है। यही वजह है कि इन्हें 'यस्टरडे आइलैंड' और 'टूमॉरो आइलैंड' के नाम से जाना जाता है। एक नई डॉक्यूमेंट्री ने इस अनोखे फेनॉमेनन को फिर से सुर्खियों में ला दिया है, जिसमें बताया गया कि कैसे ये द्वीप समय की सीमाओं को चुनौती देते हैं।

ये द्वीप आर्कटिक महासागर के बेरिंग स्ट्रेट में स्थित हैं, जहां अलास्का (अमेरिका) और चुकोटका प्रायद्वीप (रूस) आमने-सामने हैं। लिटिल डायोमेड, जिसे स्थानीय इंउपियाक भाषा में 'इंगालिक' कहते हैं, अमेरिकी अलास्का का हिस्सा है। यहां की आबादी मात्र 82 है, जिसमें ज्यादातर यूपिक मूलनिवासी है। द्वीप पर एक छोटा-सा गांव है, जहां लोग मछली पकड़ने, सील शिकार और आइस फिशिंग पर निर्भर हैं। समय क्षेत्र TC-9 (अलास्का स्टैंडर्ड टाइम) है। वहीं, बिग डायोमेड, जिसे रूस में रटमेनोव आइलैंड कहते हैं, रूसी चुकोटका ऑटोनॉमस ओक्रग का हिस्सा है। यहां सैन्य बेस है, और आबादी लगभग 100 है, जिसमें ज्यादातर सैनिक और वैज्ञानिक हैं। समय क्षेत्र TC+12 है, जो लिटिल से 21 घंटे आगे है (गर्मियों में 20 घंटे)। अगर आप लिटिल से बिग पर जाएं, तो एक कदम में ना सिर्फ देश बदल जाएगा, बल्कि तारीख भी आगे सरक जाएगी।

इस समय अंतर की जड़ें इतिहास में हैं। 1728 में डेनिश एक्सप्लोरर विटस बेरिंग ने इन द्वीपों की खोज की, जिनका नाम ग्रीक संत डायोमेड के नाम पर पड़ा। हजारों साल पहले से यूपिक और इंगलीट आदिवासी यहां रहते थे, जो बेरिंग स्ट्रेट से एशिया और अमेरिका के बीच पलायन के रास्ते पर बसे थे। 1867 में रूस ने अलास्का अमेरिका को 7.2 मिलियन डॉलर में बेच दिया, लेकिन बिग डायोमेड रूस के पास रहा। इंटरनेशनल डेट लाइन, जो 1884 में तय हुई, इन द्वीपों के बीच से गुजरती है, जिससे ये समय का ब्रिज बन गए। कोल्ड वॉर के दौरान ये 'आइस कर्टेन' कहलाए यानी अमेरिका और सोवियत यूनियन के बीच तनाव का प्रतीक। 1987 में मिखाइल गोर्बाचेव और रोनाल्ड रीगन के बीच समझौते से संपर्क बढ़ा। यहां आज भी सीमा सख्त है। यहां यात्रा करना आसान नहीं है। लिटिल डायोमेड पर पहुंचने के लिए नोम, अलास्का से हेलीकॉप्टर या छोटी नाव से जाना पड़ता है, जो मौसम पर निर्भर करता है। सर्दियों में बर्फ का पुल बन जाता है, लेकिन ये खतरनाक है। वहीं बिग डायोमेड पर जाना और भी मुश्किल है। यहां जाने के लिए रूसी वीजा और सैन्य परमिशन जरूरी है। पर्यटकों के लिए कोई रेगुलर टूर नहीं है लेकिन एडवेंचर लवर्स के लिए यह 'टाइम ट्रैवल ट्रेक' का सपना है।

क्लाउड सीडिंग नाकाम होने पर घमासान

आप और कांग्रेस ने साधा दिल्ली सरकार पर निशाना

» विपक्ष बोला- जनता के करोड़ों रूपये किये बर्बाद

» दिल्ली सरकार ने कहा- तकनीक को पूरी तरह समझना जरूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की हवा को साफ करने के लिए सरकार ने वैज्ञानिक प्रयासों के तहत दो लगातार क्लाउड सीडिंग प्रयोग किए, लेकिन फिलहाल बारिश कराने में सफलता नहीं मिल सकी है। इसको लेकर सियासी घमासान मच गया है। आप और कांग्रेस ने साधा भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। हालांकि बाद में आईआईटी कानपुर की टीम ने अगला प्रयोग तब तक रोकने का निर्णय लिया है, जब तक वातावरण में पर्याप्त नमी यानी करीब 50 फीसदी से अधिक न हो जाए। आईआईटी कानपुर ने मंगलवार को प्रस्तावित अगली क्लाउड सीडिंग गतिविधि को अपर्याप्त नमी के कारण रोक दिया।

दिल्ली सरकार ने कहा है कि प्रयोग के बाद पूर्वी दिल्ली-नोएडा बॉर्डर पर 0.1 से 0.2 मिमी की हल्की फुहार दर्ज हुई, जिसे सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। हर प्रयोग

सीएम सिर्फ बयानबाजी और प्रचार पर ध्यान दे रही हैं: देवेंद्र

प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा सरकार का क्लाउड सीडिंग का दूसरा प्रयास भी विफल साबित हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सिर्फ बयानबाजी और प्रचार पर ध्यान दे रही हैं, जबकि प्रदूषण, सफाई और यमुना की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है।देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली में वायु और जल प्रदूषण के हालात चिंताजनक हैं, लेकिन सरकार केवल क्लाउड सीडिंग जैसे दिखावटी प्रयोगों पर करोड़ों रुपये बर्बाद कर रही है। उन्होंने बताया कि हाल के प्रयोग पर 3.21 करोड़ रुपये खर्च हुए, जो केवल 30 मिनट की उड़ान और सिल्वर आयोडाइड के छिड़काव तक सीमित था। इसके बावजूद सरकार इसे सफलता बताने की कोशिश कर रही है, जबकि न तो प्रदूषण में कोई कमी आई और न ही हवा की गुणवत्ता में सुधार हुआ। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा से पहले आम आदमी पार्टी की सरकार ने भी कृत्रिम वर्षा कराने की योजना बनाई थी, जिसे भाजपा ने भ्रष्टाचार बताकर रद्द किया था। लेकिन अब वही प्रयोग भाजपा सरकार ने दोबारा शुरू किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि रेखा गुप्ता सरकार अपने केन्द्रीय नेतृत्व को खुश करने के लिए जनता के पैसे से असफल प्रयोग दोहरा रही है। देवेंद्र यादव ने सवाल उठाया कि जब प्रदूषण का मुख्य कारण वाहनों का धुआं, धूल और औद्योगिक उत्सर्जन है, तो सरकार इन मोर्चों पर ठोस कदम क्यों नहीं उठा रही। यादव ने कहा कि विशेषज्ञों की चेतावनियों और पर्यावरणीय शर्तों को नजरअंदाज कर क्लाउड सीडिंग कराना न केवल जनता के पैसों की बर्बादी है, बल्कि यह दिखाता है कि रेखा गुप्ता सरकार के पास प्रदूषण नियंत्रण की कोई ठोस नीति नहीं है।

उन्हें यह समझने में मदद कर रहा है कि असल वातावरण में कितनी कृत्रिम बारिश संभव है। अधिकारियों ने कहा है कि अब आगे की कोशिशें मौसम की स्थिति देखकर ही की जाएंगी। सरकार का मानना है कि तकनीक को पूरी तरह समझना जरूरी है, ताकि किसी दूसरे देश की तरह गड़बड़ी न हो, जैसे दुबई में क्लाउड सीडिंग के बाद अचानक आई बाढ़ ने नुकसान पहुंचाया था।

दिल्लीवालों को गुमराह कर रही रेखा सरकार : भारद्वाज

आप नेता सौरभ भारद्वाज और कृत्रिम बारिश के लिए पलेयर छोड़ता राजधानी में प्रदूषण कम करने के लिए भाजपा सरकार ने कराई क्लाउड सीडिंग योजना को आम आदमी पार्टी ने पूरी तरह फेल करार दिया है। आप ने तीखा हमला बोलते हुए इसे भाजपा सरकार का महाघोटाला और जनता के पैसे की बर्बादी बताया। आप नेताओं ने कहा कि जब केंद्र की भाजपा सरकार की तीन प्रमुख एजेंसियां सीपीसीबी, आईएमडी और सीएक्यूएम ने पहले ही दिल्ली में सर्दियों के दौरान कृत्रिम वर्षा संभव नहीं होने के बारे में बोल दिया था, तो मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सरकार ने 3.5 करोड़ रुपये खर्च कर क्लाउड सीडिंग का ड्रामा क्यों किया? भाजपा की केंद्र सरकार ने संसद में कहा था कि दिल्ली में क्लाउड सीडिंग व्यावहारिक नहीं है। फिर भी रेखा गुप्ता सरकार ने वैज्ञानिकों की राय को दरकिनार कर दिल्लीवालों का पैसा उड़ाया। जब बादल खुद बारिश कर सकते हैं तो रासायनिक छिड़काव क्यों? यह जनता के टैक्स के पैसे पर किया गया सर्कस है। भारद्वाज ने बताया कि भाजपा सरकार ने दिवाली के अगले दिन कृत्रिम वर्षा कराने की घोषणा की थी, लेकिन बार-बार तारीख बदलने के बाद 28 अक्टूबर को छठ पर्व के दौरान जब बादल घिरे दिखे, तो सरकार ने जल्दबाजी में क्लाउड सीडिंग कर दी, फिर भी दिल्ली में एक बूंद भी बारिश नहीं हुई। सरकार ने टीवी कैमरों के सामने ड्रामा रचा, लेकिन न बारिश हुई, न प्रदूषण घटा। दिल्ली सचिवालय के पास तो दो स्मॉग गन चलाकर दिखावा किया गया।

2 लाख की रिश्वत लेते चौकी इंचार्ज धरे गए

» एंटी करप्शन टीम की बड़ी कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में एंटी करप्शन टीम की कार्रवाई ने पुलिस विभाग में हड़कंप मचा दिया। एंटी करप्शन टीम की इस कार्रवाई से प्रदेश के रिश्वतखोर पुलिस कर्मियों में खौफ का माहौल बना दिया है। एक चौकी इंचार्ज को उसकी ही चौकी से 2 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। दरोगा ने झूठे गैंगरेप के मुकदमे में कोचिंग संचालक से केस से धारा कम करने के एवज में 2 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। घटना बुधवार रात 8 बजे महानगर थाने की पेपरमिल कॉलोनी चौकी की है। चौकी इंचार्ज धनंजय सिंह ने गैंगरेप के आरोपी BSL कोचिंग संचालक प्रतीक गुप्ता को केस में धारा कम करने के नाम पर 2 लाख रुपए की रिश्वत देने के लिए चौकी बुलाया था लेकिन चौकी इंचार्ज धनंजय सिंह को इस बात का अंदाज़ा नहीं था कि एंटी करप्शन टीम के जाल में वह फंस चुका है।

जैसे ही दारोगा ने रिश्वत की रकम अपने हाथ में वैसे जाल बिछाए इंतजार कर रही एंटी करप्शन टीम ने चौकी में धावा बोल दिया और दारोगा को रंगे हाथ रिश्वत लेते पकड़ लिया गया जिसके बाद एंटी करप्शन टीम ने चौकी से धक्का देकर दरोगा को बाहर निकाला और अलीगंज थाने ले जाकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। 8 सितंबर को लखनऊ के महानगर थाने में प्राची मिश्रा नाम की युवती एक गैंगरेप का मुकदमा दर्ज करवाती है जिसमें क्वस्रु कोचिंग संचालक प्रतीक गुप्ता निवासी कानपुर और रियाज़ एहमद निवासी लखनऊ द्वारा नशीला पदार्थ देकर गैंगरेप करने और वीडियो बनाने का आरोप लगाती है। पुलिस कार्रवाई करती है और 9 सितम्बर को ही सुबह कानपुर प्रतीक के घर जा पहुंचती है और प्रतीक गैंगरेप के आरोप में जेल भेज दिया जाता है। जिसके बाद प्रतीक 16 अक्टूबर को बेल मिलने पर जेल से रिहा होता है और 19 अक्टूबर को एंटी करप्शन विभाग में शिकायत दर्ज कराता है।

पीएम श्री योजना संघ का विचार : विजयन

» केरल पीएम श्री के कार्यान्वयन की समीक्षा करेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि केरल सरकार राज्य में केंद्र की पीएम श्री योजना के कार्यान्वयन की समीक्षा करेगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय विद्यालय योजना के कार्यान्वयन का अध्ययन करने के लिए सात सदस्यीय मंत्रिमंडल उप-समिति गठित की गई है। उन्होंने यहां मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए निर्णयों के बारे में मीडिया को बताया कि उप-समिति द्वारा अपनी रिपोर्ट सौंपे जाने तक पीएम श्री योजना के कार्यान्वयन से संबंधित आगे की कार्यवाही स्थगित रहेगी। विजयन ने कहा, ''इस बारे में केंद्र को पत्र के माध्यम से सूचित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी मंत्रिमंडल उप-समिति के अध्यक्ष होंगे तथा मंत्री के राजन, पी राजीव, रोशी ऑगस्टीन, के प्रसाद, के कृष्णनकुट्टी और ए के ससीन्द्रन सदस्य होंगे।

इससे पहले, इस मामले पर आम सहमति बनाने के लिए पिछले कुछ दिनों से माकपा और भाकपा नेताओं द्वारा बहुस्तरीय चर्चाएं की जा रही थीं। यद्यपि, मुख्यमंत्री विजयन ने इस मामले में सीधे हस्तक्षेप किया, लेकिन गतिरोध का समाधान नहीं हो सका, क्योंकि भाकपा के प्रदेश और राष्ट्रीय नेतृत्व ने पीएम श्री योजना के साथ केरल के जुड़ने के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है।

सीपीआई के मंत्रियों ने दी राज्य कैबिनेट की बैठक का बहिष्कार की धमकी

केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के भीतर दरार तब और गहरी हो गई जब भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के मंत्रियों ने राज्य कैबिनेट की बैठक का बहिष्कार करने की धमकी दी, क्योंकि सरकार ने केंद्र की पीएम श्री योजना पर बिना पूर्व परामर्श के हस्ताक्षर कर दिए थे। कैबिनेट में सीपीआई के चार मंत्री हैं और बैठक में शामिल न होने के उनके फैसले के कारण सरकार को सत्र शाम तक स्थगित करना पड़ा। यह संकट एलडीएफ के लिए एक बड़ी चिंता का विषय बन गया है, खासकर स्थानीय निकाय चुनावों के करीब आने के साथ।

'एनआरसी के डर' से लोग मर रहे हैं: अभिषेक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकोता। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने पश्चिम बंगाल के पानीहाटी में प्रदीप कर के परिवार से मुलाकात की। प्रदीप कर (57) ने एक दिन पहले कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी और एक नोट छोड़ा था जिसमें उन्होंने अपने इस फैसले के लिए एनआरसी को लेकर व्यग्रता को जिम्मेदार ठहराया था। बनर्जी के साथ पार्टी सांसद पार्थ भौमिक और बंगाल विस में पार्टी के मुख्य सचेतक निर्मल घोष तथा युवा नेता देबराज चक्रवर्ती भी थे।

बनर्जी ने कर के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और संवेदना व्यक्त की। टीएमसी नेता ने कहा प्रदीप कर की मौत एनआरसी और एसआईआर को लेकर व्यग्रता के कारण हुई। अमित शाह और ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र और चुनाव आयोग एसआईआर की आड़ में वास्तविक मतदाताओं को मतदाता सूची से बाहर करने का प्रयास कर रहे हैं।

नम्बर वन बल्लेबाज बने रोहित शर्मा

» वनडे रैंकिंग में शुभमन गिल को छोड़ा पीछे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा आईसीसी की जारी नवीनतम वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले गए तीसरे वनडे मैच में नाबाद शतकीय पारी खेली थी जिसका उनको फायदा हुआ। रोहित 38 साल 182 दिन की उम्र में वनडे रैंकिंग में शीर्ष बल्लेबाज बनने वाले भारत के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में संपन्न हुई तीन मैचों की वनडे सीरीज से 223 दिनों बाद भारतीय जर्सी में वापसी की थी। रोहित ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले भारत के लिए आखिरी बार इस साल चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में खेले थे।

रोहित आस्ट्रेलिया में अच्छे प्रदर्शन की बदौलत वनडे में भारत के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए। यह पहली बार है जब रोहित वनडे में शीर्ष बल्लेबाज बने हैं। रोहित ने भारतीय वनडे कप्तान शुभमन गिल को पीछे छोड़ा और नंबर एक वनडे बल्लेबाज बनने में सफल रहे। रोहित के पिछले सप्ताह 745 रेटिंग अंक थे, लेकिन उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में 73 रन और तीसरे मैच में नाबाद 121 रनों की पारी खेली। लगातार दो मैच में बड़ी पारी की बदौलत उनके 781 रेटिंग अंक हो गए और वह शीर्ष पर आने में सफल रहे। वहीं, गिल तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। दूसरे नंबर पर अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान बरकरार हैं। तीसरे मैच में चोटिल हुए श्रेयस अय्यर भी एक स्थान के सुधार से नौवें स्थान पर आ गए हैं। अक्षर पटेल ऑलराउंडर खिलाड़ियों की सूची में चार स्थान के सुधार के साथ आठवें, जबकि गेंदबाजों की सूची में छह स्थान के सुधार के साथ 31वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

बारिश के कारण पहला टी20 बेनतीजा समाप्त

कैनबरा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बुधवार को कैनबरा में खेला गया पहला टी20 मुकाबला बारिश में धुल गया जिस कारण मैच बेनतीजा समाप्त हुआ। ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया था। बारिश ने मैच में दो बार खलल डाली। पहली बार मैच पांच ओवर की समाप्ति पर रुका, लेकिन दो ओवर की कटौती कर इसे दोबारा शुरू किया गया। जब मैच दोबारा शुरू हुआ तो 18-18 ओवर का मुकाबला कराने का फैसला किया गया। भारत ने 9.4 ओवर में जब एक विकेट पर 97 रन बनाए थे, तब तेज बारिश के कारण मैच फिर रुका। लेकिन इसके बाद मैच दोबारा शुरू नहीं हो सका और लगातार बारिश के कारण मैच बेनतीजा घोषित करना पड़ा। भारत के लिए इस मैच में शुभमन गिल और कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अच्छी बल्लेबाजी की और दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी हुई। गिल और सूर्यकुमार ने खेल रुकने तक 62 रनों की साझेदारी कर ली थी। सूर्यकुमार 24 गेंदों पर 39 रन और गिल 20 गेंदों पर 37 रन बनाकर नाबाद रहे।

बिहार में प्रचार अभियान चरम पर, लगा दिग्गजों का जमावड़ा

पीएम मोदी, राहुल, शाह, नड्डा का चुनावी शंखनाद

» राहुल गांधी का पीएम मोदी पर प्रहार भाजपा नेता मोदी का भी पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान चरम पर पहुंचने लगा है। राहुल के छठ मैया व पीएम मोदी वोट के लिए कु छ भी कर सकते है के बयान पर मोदी ने पलटवार किया। उधर महागठबंधन का भाजपा पर प्रहार जारी है। वहीं बृहवतिवार को प्रधानमंत्री मोदी, राहुल गांधी, अमित शाह और जे पी नड्डा राज्य में ताबड़तोड़ जनसभाएं कर रहे हैं। यह शीर्ष नेताओं का सघन दौरा राजग और इंडिया गठबंधन दोनों के लिए चुनावी माहौल को गरमाने तथा मतदाताओं को लुभाने की रणनीतिक कोशिश है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा बृहस्पतिवार को बिहार में कई जनसभाएं करेंगे। मोदी मुजफ्फरपुर और सारण जिलों में दो जनसभाओं को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री ने 24 अक्टूबर को समस्तीपुर और बेगूसराय में रैलियों को संबोधित करके बिहार विधानसभा चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रचार अभियान की शुरुआत की। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, ''बिहार के मेरे परिवारजन भाजपा-राजग को प्रचंड जीत दिलाने के लिए खुद चुनाव मैदान में हैं।

कांग्रेस और राजद के लोग छठी मैया का अपमान कर रहे हैं : पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि आपने देखा है कि आपका बेटा तो छठी मैया का जय जयकार पूरी दुनिया में कराने में लगा है। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस और राजद के लोग छठी मैया का अपमान कर रहे हैं। आप मुझे बताइए क्या कोई कभी चुनाव में वोट के लिए छठी मैया का अपमान कर सकता है? क्या बिहार यह अपमान सहन करेगा? राजद और कांग्रेस वाले कैसी बेशर्मी से बोल रहे हैं? उनके लिए छठी मैया की पूजा नौटंकी और ड्रामा है। वह छठी मैया का अपमान कर रहे हैं। जो भगवान सूर्य को अर्घ्य देती है? जो 36 घंटे का निर्जला व्रत रखती हैं, उन्हें कांग्रेस और राजद वाले ड्रामा कहते हैं। यह हर उस व्यक्ति का अपमान है, जो छठी मैया में आस्था रखता है। छठ मैया के इस अपमान को बिहार सैकड़ों वर्षों तक भूलने वाला नहीं है। सैकड़ों वर्षों तक इस अपमान को छठी मैया का पूजा करने वाला नहीं भूलेगा।

नीतीश की सरकार का रिमोट मोदी-शाह के हाथ में : राहुल गांधी

सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि ये मत सोचिए कि नरेंद्र मोदी आपके प्रधानमंत्री हैं। नहीं, नरेंद्र मोदी अम्बानी और अडानी के औजार हैं। नोटबंदी, जीएसटी और एक रुपये में जमीन देने जैसे फैसले उन्हीं के हित में लिए गए हैं। मोदी सरकार देश के गरीबों के नहीं, पूंजीपतियों के लिए रास्ता बना रही है। राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और केंद्र सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि अगर आप सोचते हैं कि बिहार की सरकार नीतीश कुमार चलाते हैं तो गलत सोचते हैं। बिहार की सरकार को रिमोट से मोदी और शाह चलाते हैं। वे जो चाहते हैं वही होता है। आने वाली महागठबंधन सरकार हर जाति और धर्म के लोगों की सरकार होगी।

बिहार पर कब्जा करना चाहते हैं : तेजस्वी यादव

राजद नेता तेजस्वी यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर हमला बोलते हुए कहा कि अमित शाह कहते हैं कि बिहार में कारखाना नहीं लग सकता क्योंकि यहां भूमि की कमी है। मैं पूछता हूं, जब लालू जी रेल मंत्री थे, तब क्या भूमि की कमी थी? उन्होंने तो बिहार में तीन-तीन कारखाने लगाए थे। असल में ये लोग काम नहीं करना चाहते, बल्कि बिहार पर कब्जा करना चाहते हैं। तेजस्वी ने आगे कहा हम अमित शाह जी से कहना चाहते हैं बिहार को बिहार का लाल ही चलाएगा, कोई बाहरी नहीं।

आरोप तय करने में होने वाली देरी पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

» पूरे देश में 60 दिनों के भीतर आरोप तय करने के अहम निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आपराधिक मुकदमों में आरोप तय करने में अत्यधिक देरी पर गहरी चिंता व्यक्त की। वहीं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएस) की धारा 251(बी) में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि जिन मामलों की सुनवाई विशेष रूप से सेशन कोर्ट की ओर से की जानी है, उनमें पहली सुनवाई के 60 दिनों के भीतर आरोप तय किए जाने चाहिए।

अदालत ने इस बारे में पैन इंडिया निर्देश जारी करने का संकेत दिया है ताकि समयसीमा में आरोप तय किए जा सकें। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में कहा है कि इस तरह की देरी आपराधिक मामलों की कार्यवाही (प्रोसिडिंग्स) में ठहराव के प्रमुख कारणों में से एक है। अदालत ने कहा कि उसका यह विचार है कि पूरे देश में कुछ निर्देश जारी किए जाने चाहिए ताकि इस

वैधानिक आदेश का पालन सुनिश्चित हो सके।अदालत ने वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा से अनुरोध किया कि वे इस मामले में अमाइकस क्यूरी (कोर्ट सलाहकार) के रूप में सहायता करें। कोर्ट ने भारत के अटॉर्नी जनरल से भी सहायता मांगी, क्योंकि वह इस तरह की देरी से निपटने के लिए देशव्यापी निर्देश जारी करने पर विचार कर रही है। जस्टिस अरविंद कुमार की अगुवाई वाली बेंच एक आपराधिक मामले की सुनवाई कर रही थी, जिसमें याचिकाकर्ता के वकील ने यह मुद्दा उठाया कि अभियुक्त को दो वर्ष से हिरासत में रखा गया है, फिर भी अब तक आरोप तय नहीं किए गए। इस पर अदालत ने पूछा कि नागरिक और आपराधिक दोनों प्रकार के मामलों में लगातार देरी क्यों हो रही है। उन्होंने कहा आरोप तय करने में वर्षों क्यों लगते हैं? दीवानी मामलों में मुद्दे तय नहीं होते, और आपराधिक मामलों में आरोप तय नहीं होते। हमें यह जानना है कि कठिनाई क्या है, अन्यथा हम पूरे देश के सभी न्यायालयों के लिए निर्देश जारी करेंगे। हम ऐसा करने का प्रस्ताव रखते हैं। बिहार राज्य के वकील ने कुछ दिशा-निर्देश जारी करने की वकालत की, यह कहते हुए कि आरोपपत्र दाखिल करने और आरोप तय करने के बीच अक्सर काफी देरी होती है।

जम्मू कश्मीर विधानसभा में विपक्ष का जोरदार हंगामा

» स्पीकर से नाराज हुए भाजपा विधायक, नेकां एमएलए से भिड़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर विधानसभा के अंदर गुरुवार (30 अक्टूबर) की सुबह ही जोरदार हंगामा हो गया। बीजेपी की ओर से लगातार सदन में बाढ़ राहत पर चर्चा की मांग की जा रही थी, लेकिन स्पीकर ने इनकार कर दिया। इस बार से नाराज बीजेपी के विधायक वेल में पहुंच गए और हंगामा बढ़ता चला गया. सदन में धक्का-मुक्की होने लगी और सुरक्षाकर्मियों को मौके पर स्थिति संभालने आना पड़ा।

जम्मू कश्मीर में कुछ समय पहले बड़ी त्रासदी आ गई थी. बाढ़ से केंद्र शासित प्रदेश को बहुत नुकसान हुआ था। इसी को लेकर बीजेपी विधायक ने इच्छा जताई थी कि विधानसभा में बाढ़ राहत को लेकर चर्चा

हो, लेकिन स्पीकर ने ऐसी चर्चा से मना कर दिया। इसके बाद बीजेपी विधायक विरोध दर्ज कराने के लिए अपनी कुर्सी छोड़ नीचे आ गए। जब विधायक वेल में आने लगे, तो बीजेपी और नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के विधायकों में नोकझोंक शुरू हो गई और फिर मार्शल को बचाव में आना पड़ा। उन्हें विधायकों को सदन से बाहर निकालना पड़ा. इसका वीडियो भी सामने आया है। बीजेपी विधायकों द्वारा स्पीकर के फैसले के विरोध में नारेबाजी शुरू कर दी गई।

नगर निगम के हालात बिगड़े कामकाज पर खींचतान तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में नगर निगम के कामकाज पर खींचतान तेज हो गई है। एक ओर महापौर और दूसरी ओर नगर आयुक्त के बीच मतभेदों का असर अब सीधे विकास कार्यों पर दिखाई देने लगा है। जनता परेशान है। जगह-जगह कूड़े के अंबार, सड़कों पर गंदगी, और बेतरतीब रोड़े शहर की खूबसूरती को धूमिल कर रहे हैं।

ऐसा प्रतीत होता है मानो नगर निगम के भीतर कोई भूचाल आ गया हो, जिसकी मार सीधे आम नागरिकों पर पड़ रही है। कार्यकारणी की बैठक में कोई भी किसी तरह का जनता के मुद्दे पर कोई

चर्चा नहीं हुई पिछली कार्यकणी के जिन मुद्दों पर चर्चा होनी थी उसमें से किसी भी एक मुद्दे पर बात नहीं हुई और कार्यकारणी स्थगित हो गई।

लोकतंत्र की सुरक्षा के लिए एसआईआर खतरा : स्टालिन

बोले तमिलनाडु के मुख्यमंत्री- दो नवंबर को आयोजित है बैठक, सभी दल शामिल हों

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर दो नवंबर को होने वाली सर्वदलीय बैठक लोकतंत्र को सुरक्षित रखने का एक प्रयास है और सभी दलों को राजनीतिक मतभेद भुलाकर इसमें शामिल होना चाहिए। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और उसके सहयोगी एसआईआर का विरोध करते रहे हैं।

निर्वाचन आयोग द्वारा हाल ही में तमिलनाडु सहित अन्य चुनाव वाले राज्यों में अगले महीने से पुनरीक्षण लागू करने की घोषणा के बाद सरकार ने आगे की कार्रवाई तय करने के लिए सर्वदलीय

बैठक बुलाई है। (भाजपा) इस अभ्यास के माध्यम से तमिलनाडु के लोगों के मतदान के अधिकार को छीनने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, मैं इस मंच से दोहराता हूं कि मतदान लोकतंत्र का आधार है। हम इसे किसी भी कीमत पर कुर्बान नहीं करेंगे। हम मतदान के अधिकार छीनने और वोट चोरी जैसे भाजपा के प्रयासों पर काबू पाएंगे और तमिलनाडु के लोगों के मतदान के अधिकार की रक्षा करेंगे। स्टालिन ने कहा कि केरल हमारे साथ जुड़ गया है, उनका स्पष्ट संदर्भ उस राज्य के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के एसआईआर के विरोध से था। प्रस्तावित सर्वदलीय बैठक के बारे में स्टालिन ने कहा, लोकतंत्र की रक्षा के उद्देश्य से किए जा रहे इस प्रयास में सभी राजनीतिक दलों को अपने राजनीतिक मतभेद भुलाकर भाग लेना चाहिए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।